Erikson's stages of psychosocial development
एरिकसन के मनोसामाजिक विकास के चरण

Erikson's Theory एरिक्सन का सिद्धांत

- Biological because of belief that there are innate drives to develop social relationships and that these promote survival (Darwinism) जैविक विश्वास के कारण कि सामाजिक संबंधों को विकसित करने के लिए जन्मजात ड्राइव हैं और ये अस्तित्व को बढ़ावा देते हैं (डार्विनवाद)
- Divided life span into eight psychosocial stages, each associated with a different drive and a problem or crisis to resolve विभाजित जीवन काल आठ मनोसामाजिक चरणों में, प्रत्येक एक अलग ड्राइव और एक समस्या या संकट के साथ जुड़ा हुआ है
- Outcome of each stage varies along a continuum from positive to negative प्रत्येक चरण का परिणाम सकारात्मक से नकारात्मक तक एक निरंतरता के साथ बदलता रहता है

STAGES चरण

1. **Stage 1 (birth–1) Trust vs. Mistrust चरण 1 (जन्म-1) विश्वास बनाम अविश्वास**

- Infants must rely on others for care शिशुओं को देखभाल के लिए दूसरों पर निर्भर रहना चाहिए
- Consistent and dependable caregiving and meeting infant needs leads to a sense of trust लगातार और भरोसेमंद देखभाल और शिशु की जरूरतों को पूरा करने से विश्वास की भावना पैदा होती है
- Infants who are not well cared for will develop mistrus जिन शिशुओं की देखभाल अच्छी तरह से नहीं की जाती है, उनमें अविश्वास का विकास होगा

2. **Stage 2 (1–3 years) Autonomy vs. Shame and Doubt चरण 2 (1-3 वर्ष) स्वायत्तता बनाम शर्म और संदेह**

- Children are discovering their own independence बच्चे अपनी स्वतंत्रता की खोज कर रहे हैं
- Those given the opportunity to experience independence will gain a sense of autonomy जिन्हें स्वतंत्रता का अनुभव करने का अवसर दिया गया है, उन्हें स्वायत्तता की भावना प्राप्त होगी
- Children that are overly restrained or punished harshly will develop shame and doubt जो बच्चे अत्यधिक संयमित या कठोर रूप से दंडित होते हैं, वे शर्म और संदेह का विकास करेंगे

3. **Stage 3 (3–5 years) Initiative vs. Guilt चरण 3 (3-5 वर्ष) पहल बनाम दोष**

- Children are exposed to the wider social world and given greater responsibility बच्चों को व्यापक सामाजिक दुनिया से अवगत कराया जाता है और उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी जाती है
- Sense of accomplishment leads to initiative, whereas feelings of guilt can emerge if the child is made to feel too anxious or irresponsible उपलब्धि की भावना पहल की ओर ले जाती है, जबकि अपराध की भावनाएं उभर सकती हैं यदि बच्चा बहुत चिंतित या गैर-जिम्मेदार महसूस करता है

4. **Stage 4 (5–12 years) Industry vs. Inferiority चरण 4 (5-12 वर्ष) परिश्रम बनाम हीनता**

- Stage of life surrounding mastery of knowledge and intellectual skills ज्ञान और बौद्धिक कौशल की महारत के आसपास जीवन का चरण
- Sense of competence and achievement leads to industry क्षमता और उपलब्धि की भावना उद्योग की ओर ले जाती है
- Feeling incompetent and unproductive leads to inferiority अक्षम और अनुत्पादक महसूस करने से हीन भावना पैदा होती है

5. **Stage 5 (adolescence) Identity vs. Confusion चरण 5 (किशोरावस्था) पहचान बनाम भ्रम**

- Developing a sense of who one is and where one is going in life जीवन में कौन है और कहां जा रहा है, इसका बोध विकसित करना
- Successful resolution leads to positive identity सफल संकल्प सकारात्मक पहचान की ओर ले जाता है
- Unsuccessful resolution leads to identity confusion or a negative identity असफल संकल्प पहचान भ्रम या नकारात्मक पहचान की ओर जाता है

6. **Stage 6 (young adulthood) Intimacy vs. Isolation चरण 6 (युवा वयस्कता) अंतरंगता बनाम अलगाव**

- Time for sharing oneself with another person किसी अन्य व्यक्ति के साथ खुद को साझा करने का समय
- Capacity to hold commitments with others leads to intimacy दूसरों के साथ प्रतिबद्धताओं को रखने की क्षमता अंतरंगता की ओर ले जाती है
- Failure to establish commitments leads to feelings of isolation प्रतिबद्धताओं को स्थापित करने में विफलता अलगाव की भावनाओं को जन्म देती है

7. **Stage 7 (middle adulthood) Generativity vs. Stagnation चरण 7 (मध्य वयस्कता) उत्पत्ति बनाम ठहराव**

- Caring for others in family, friends, and work leads to sense of contribution to later generations परिवार, दोस्तों और काम में दूसरों की देखभाल करने से बाद की पीढ़ियों के लिए योगदान की भावना पैदा होती है
- Stagnation comes from a sense of boredom and meaninglessness ठहराव बोरियत और अर्थहीनता की भावना से आता है

8. **Stage 8 (late adulthood to death) Integrity vs. Despair चरण 8 (उत्तर वयस्कता से मृत्यु तक) अखंडता बनाम निराशा**

- Successful resolutions of all previous crises leads to integrity and the ability to see broad truths and advise those in earlier stages पिछले सभी संकटों के सफल समाधानों से सत्यनिष्ठा और व्यापक सत्य को देखने और पहले के चरणों में लोगों को सलाह देने की क्षमता पैदा होती है
- Despair arises from feelings of helplessness and the bitter sense that life has been incomplete. निराशा असहायता की भावनाओं से उत्पन्न होती है और यह कड़वा भाव कि जीवन अधूरा है।